FAIR FACTS

Foresight **A**ccountability **I**n **COVID** **R**esponse

CIVIC ACTION TEAMS

अंक १०५
२९।०१।२०७८

सेती प्रादेशिक अस्पतालके आकस्मिक कक्षमे शैय्या खाली नै भेलाके बाद बरण्डा आ बाहर राखिक सेहो ईलाज करैत ।

तस्विर: प्रदिप पाठक

वीर अस्पतालके नयाँ भवनके एकीकृत कोभिड अस्पताल बनाएल जेतै । ५०० शैयासँ शुरु ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

यस अंक भित्र

६४१ आईसियु बेड आ ३४१ भेन्टिलेटर खाली

तथ्यांक सही छै त, सरकार व्यवस्थापनमे कत चुकिरहल छै त ?

हिंसा, दुर्व्यवहार आ उपभोग्य सामानके सर्वसुलभताके अभाव हेतै त कत उजुरी करबै ?

उजुरी या परामर्शके लेल राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग टेलिफोन तथा ईमेल सम्पर्कसभ सार्वजनिक केने छै ।

कोभिशिल्ड खोपके घटनाक्रम

स्थानीय एजेण्टके अवरोधके कारण खोप आब नै सकल छै । भारतमे संक्रमितके संख्या तिव्र गतिमे बैढ रहला सँ सेहो नेपाल सरकारके भारत सँ कोभिड विरुद्धके खोप किननाई कठिन छै ।

फ्याक्ट सिट

तथ्यांकमे आईसियु शैया आ भेन्टिलेटरके अवस्था

प्रदेश १

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	१३४
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	११३
भेन्टिलेटरके संख्या:	७१
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	१७

प्रदेश २

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	१००
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	६०
भेन्टिलेटरके संख्या:	५०
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	३७

बागमती प्रदेश

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	७४७
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	४४३
भेन्टिलेटरके संख्या:	३१६
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	१५७

गण्डकी प्रदेश

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	२८०
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	६१
भेन्टिलेटरके संख्या:	६७
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	१३

लुम्बिनी प्रदेश

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	११४
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	८६
भेन्टिलेटरके संख्या:	६१
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	२१

कर्णाली प्रदेश

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	५५
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	३३
भेन्टिलेटरके संख्या:	२०
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	११

सुदूरपश्चिम प्रदेश

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	४३
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	३६
भेन्टिलेटरके संख्या:	२३
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	११

जम्मा

जम्मा आईसियु शैया संख्या:	१,४७३
सघन उपचार ईकाईमे रहलसभके संख्या:	८३२
भेन्टिलेटरके संख्या:	६०८
भेन्टिलेटरमे रहलसभके संख्या:	२६७

२०७८ बैशाख २६ गते

उपरके आँकडा देखबै त, जम्मा करिब १,४७३ आईसियु शैयामे ८२३ शैया मात्रे भरल छै । तहिना कलक, जम्मा करिब ६०८ भेन्टिलेटरमे २६७ भेन्टिलेटर मात्रे प्रयोगमे रहल छै । एकर मतलब, ६४१ आईसियु शैया आ ३४१ भेन्टिलेटर खालीए छै । दोसर दिस संक्रमितसभ अस्पतालमे जगह नै पाबीक मैर रहल समाचार आबिरहल छै । जँ आँकडा सहि छै त सरकार व्यवस्थापनमे कतल चुकिरहल छै ? कि एहिदिस ध्यान देब जरुरी नै छै ?

Source: https://cutt.ly/hbO2J1n

अक्सिजन अभाव?

देशभैर उपलब्ध अक्सिजन सिलिण्डरके संख्या करिब **७० हजार**

अखन निजी कम्पनीसभ प्रतिदिन **१३ हजार** सिलिण्डर अक्सिजन ग्याँस भैर रहल छै

एकटा सिलिण्डरमे नोमिनल कन्टेन्ट (तरलिय पदार्थले दिने अक्सिजन ग्याँस) क्षमता **६८०० लिटर**

अखनेके क्षमतामे नीजि क्षमतामे नीजि कम्पनीसँ मात्रे सेहो प्रति महिना २,६५,२०,००,००० लिटर नोमिनल कन्टेन्ट अक्सिजन ग्याँस भर सकै छै

सरकारद्वारा कएलगेल अनुमान अनुसार कोभिडके ईलाजमे ३ महिनामे निचा देलगेल अनुसार अक्सिजन ग्याँस खपत हेतै कहने छै :

बैशाख महिनामे	जेष्ठ महिनामे	असार महिनामे
९७,७६,५६,७८१ लिटर	१,२९,३३,६७,००८ लिटर	१,५८,२२,७३,८२९ लिटर

उपरका आँकडा देखला सँ अखनके अक्सिजन उत्पादन क्षमता उच्च संक्रमण दर अनुमान कएलगेल आषाढ महिनाके सेहो पर्याप्त पुगत से देखाईत छै ।

Source: https://drive.google.com/file/d/1GLVuN1RGJsSVpY9zJkern9l0VXaql4Ga/view

हल्ला र तथ्य

?

दू खोराक खोप लगेने आदमीके सेहो संक्रमण होईछै कहादन ।

हँ, कोभिड - १९ विरुद्धके पहिल या दुनु खोराक खोप लगेने आदमीमे सेहो संक्रमण होब सकैय । अखन प्रयोगमे आएल खोपके प्रभावकारीता दर ७०% सँ ८०% मात्रे छै । तै सँ खोप लगेलाके बाद सेहो स्वास्थ्य मापदण्ड पालना केनाई जरुरी छै । लेकिन, दुनु खोराक खोप नै लगेने आदमीके तुलनामे जोखिम कम हेतै से देखल गेल छै।

Source: https/:www.dsfhakjsdhf.asdfkahdkl

?

लकडाउन शुरु भेला संगे विभेद आ हिंसाके घटना सेहो बढिरहल छै । एहन अवस्थामे कत उजुरी करबै ?

लैंगिक हिंसा तथा घरेलु हिंसा, धियापुता पर होबवला दूर्व्यवहार, उपभोग्य सामानके सर्वसुलभताके अभाव, स्वास्थ्य सेवा सँ वञ्चित आ सब प्रकारके विभेद सम्बन्धी उजुरी या परामर्शके लेल राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगसँ टेलिफोन तथा ईमेल सम्पर्कसभ सार्वजनिक केने छै । केन्द्रिय आ प्रदेश स्थित कार्यालय आ शाखा कार्यालयके सम्पर्क सम्बन्धी विस्तृत विवरण निचाके लिंकमे देलगेल छै ।

Source: https://www.nhrcnepal.org/nhrc_new/doc/newsletter/1733651924flyercovid.pdf

?

सरकारद्वारा गम्भीर प्रकृतीके कोरोनाके रोगीके हवाई उद्धार करके निर्णय केलकै कहादन ।

संघिय सरकारसँ एहन कोनो निर्णय नै भेल छै, लेकिन कर्णाली प्रदेश सरकारके मुख्यमन्त्री संयोजक रहल कर्णाली प्रदेश कोभिड संकट व्यवस्थापन केन्द्रके २०७८ वैशाख १९ गते बैसल वैठकसँ अई सम्बन्धी निर्णय केने छै । निर्णय अनुसार, रोगीसभके आपतकालिन उद्धारके लेल हवाई एम्वुलेन्स (हेलिकप्टर) के व्यवस्था प्रदेश सरकारके सामाजिक विकास मन्त्रालय करतै कहने छै ।

Source: https://cutt.ly/SbIZHZr

कोभिड खोप सम्बन्धी बिवाद

कोभिड खोप सम्बन्धी विवाद वास्तबमे कोन बात सँ अपनासभके मृत्युके मुहमे पहुँचा रहल छै ? विषाणु ? या **भ्रष्टाचार**, **अप्रभावकारी व्यवस्था** आ **ईमान्दार नेतृत्वके कमी** सँ?

तीन महिना भित्तर सब नेपाली खोप लगाब पाओत
कहिक प्रधानमन्त्री के.पी. शर्मा आली घोषणा केलैथ ।

माघ ८

भारत सरकार नेपालके **१० लाख** खोराक अस्ट्रजेनिके केभिशिल्ड खोप अनुदान देलकै ।

माघ १४

नेपालमे **पहिल चरणके** खोप अभियान शुरु भेलै ।

दोसर चरणके खोप अभियान शुरु भेलै ।

फागुन २३

कोभ्याक्स् सुविधा अन्तरगत नेपाल **३८०,०००** खोराक कोभिशिल्ड खोप, **३५०,०००** सुईया आ **३५००** खोपके सुरक्षित राखवला डिब्बा प्राप्त केलकै ।

फागुन ९

नेपाल सरकार **२० लाख** डोज अस्ट्रजेनिके केभिशिल्ड खोप भारतसँ किनके निर्णय केलक । जै मे सँ **१० लाख** खोराक खोप प्रति खोराक ४ अमेरिकी डलरमे नेपाल एलै ।

फागुनको अतिम तिर

नेपाल भारतसँ **५० लाख** खोराक अस्ट्रजेनिके केभिशिल्ड खोप किनके विषयमे बातचित शुरु केलक ।

चैत्र १६

भारतमे संक्रमण तेजी सँ बैढरहलापर भारत सरकार खोप निर्यातमे रोक लगेलक ।

स्वास्थ्य मन्त्रालय आ नेपाल स्थित सिरम ईन्स्टीच्युट अफ ईन्डियाके एजेण्ट बीच कमिसन सम्बन्धी विबादके शुरुवात भेलै ।

मध्य चैत्र

चीन सरकारसँ चीनमे सीमापार व्यापार करवला व्यापारी आ चीनमे अध्ययन करवला विद्यार्थीके खोप लगाबके लेल ८ लाख खोराक खोप प्राप्त ।

२०७८ बैशाख १५ गते तक नेपालके जम्मा जनसंख्याके **७.१७%** जनसंख्या खोपके पहिल मात्रा लल्चुकल छै । ओई मे सँ **१.२%** जनसंख्या खोपके दुनु मात्रा लल्चुकल छै । पहिल मात्रा खोप लगेनेसभके दोसर मात्रा लेब आब **१६ लाख** स्ट्राजेनिके केभिशिल्ड खोपके जरुरत छै । नेपाल सरकारद्वारा सम्झौता केने **२० लाख** खोप मे सँ बाँकी **१० लाख** खोपसँगे बाँकी **५० लाख** खोप किनके सम्बन्धमे बातचित केने छलै, लेकिन स्थानीय एजेन्टके अवरोधके कारण आब नै सकल छै । ई संगे भारतमे संक्रमितके संख्या तेजी सँ बढिरहला सँ सेहो नेपाल सरकारके भारत सँ कोभिड विरुद्धके खोप किन कठिन भेल छै । अखनके परिस्थिती देखला सँ, नेपाल सरका अपन सब नागरिकके खोप लगाल्कक सुरक्षित बनाब आरो समय लागत से देखाईत अछि ।

श्रमिक साथी

Shramik Sanjal

कुवेतमे खोप नै लगेलापर यात्रामे प्रतिवन्ध, कतारमे रमादानके अवसरमे आममाफी

कुवेत:

• खोप नलगेने कुवेती नागरिक, हुनकरसभके खुनके नातेदार आ घरेलु कामदारसभके यात्रामे प्रतिबन्ध छै । लेकिन दू चरणके खोप लगेनेसभके लेल एहन रोक नै लगाएल गेल छै ।

• कार्य अनुमति लल्लक १ वर्ष पुरा केने कामदारसभ कम्पनी बदल पाएत से पाम (Public Authority for Manpower –PAM) निर्णय केने छै । लेकिन, प्रायोजक या कम्पनीके स्वीकृती अनिवार्य केने छै । इ नियम कोरोनाके कारण श्रम बजारमे कामदारसभके कमी कम करके लेल भेल होईतो दोसर नियम जारी नै भेला तक लागु हेतै ।

• पूर्ण स्वास्थ्य सावधानीके साथ रेस्टुरेण्टसभमे किछ समय सँ बन्द रहल खाना सेवा मई १७ सँ शुरु करके तैयारी भलरहल छै ।

कतार:

• १ जुन, २०२१ सँ पुरान नोटसभ नै चलबला छै । जँ आहाँलग कतारके पुरान नोटसभ छै त, जुन १ सँ पहिले बदैल लेब पइत ।

• ईदके अवसर पाईरक सरकारी कार्यालय, मन्त्रालय तथा आरो सार्वजनिक क्षेत्र भित्तर पइवला कार्यालयसभमे ९ मई, २०२१ सँ १८ मई, २०२१ त्क छुटटी देलगेल छै । मई १२ आ १३ तारिख नेपाली दूतावास सेहो बन्द होबवला छै ।

• रमादानके अवसरमे बहुतोरास अभियोगमे जेला सजाय भोगिरहल आदमीसभके आरो साल जका अई साल सेहो आम माफी देलगेल छै । ओईमे १४ कोई नेपाली सेहो छै ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

LIVE

कथा किनाराको

जियब त फेर मजदुरी कर दोसरेके देश जाय पइत

नारायण बोहरा, धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं ९ मे रहैत छैथ । हुनकर परिवारमे हुनकर माँ बाबुजी, एकटा भैया भाभी, हुनकर कनिँया, भैयाके २ आ हुनकर २ टा बेटाबेटी लगाक जम्मा १० कोईके परिवार छै । ऊ कक्षा ४ तक मात्रे पढ् सकलैथ । घरके आर्थिक अवस्था कमजोर भेलाके कारण १४/१५ वर्षके नाजुक उमेरमे रोजगारीके लेल भारत जाय पइलै । ऊ भारत मजदुरी करके लेल जाय लागल १२ वर्ष भलचुकल छै । पहिले हुनकर बाबुजी सेहो मजदुरी कर भारते जाय छलैथ । लेकिन बादमे बाबुजी जाय सकवला नै रहलापर हुनकर भैया सेहो रोजगारीके लेल भारते दिस गेला । भैयाके अकेलेके कमाई सँ परिवार चलेनाई दिक्कत होब लगलापर नारायण सेहो भारतके दिल्ली रोजगारीके लेल गेलैथ ।

ऊ भारतके दिल्लीमे दुपहरमे गाडी धोबके काम करैत छलाह त, राईतमे चौकीदारके काम करैत छलाह । दिन राईत नै कहि, कोनो पाबैनतिहार नै कहि ऊ दोसरके देशमे पसिना बहाबैत छलाह । एना कमाएल पैसा सँ ऊ अपन परिवारके खाना पुगाबैत छलाह । पौरसाल विश्वव्यापी रुपमे फैलल कोरोना महामारीके कारण भारत सरकारद्वारा बन्दाबन्दीके घोषणा केलाके बाद हुनकर काम बन्द भेलै । काम नै भेलाके बाद अपन भैयासंगे २०७७ साल चैत्र दिस ऊ नेपाल फिर्ता एलाह ।

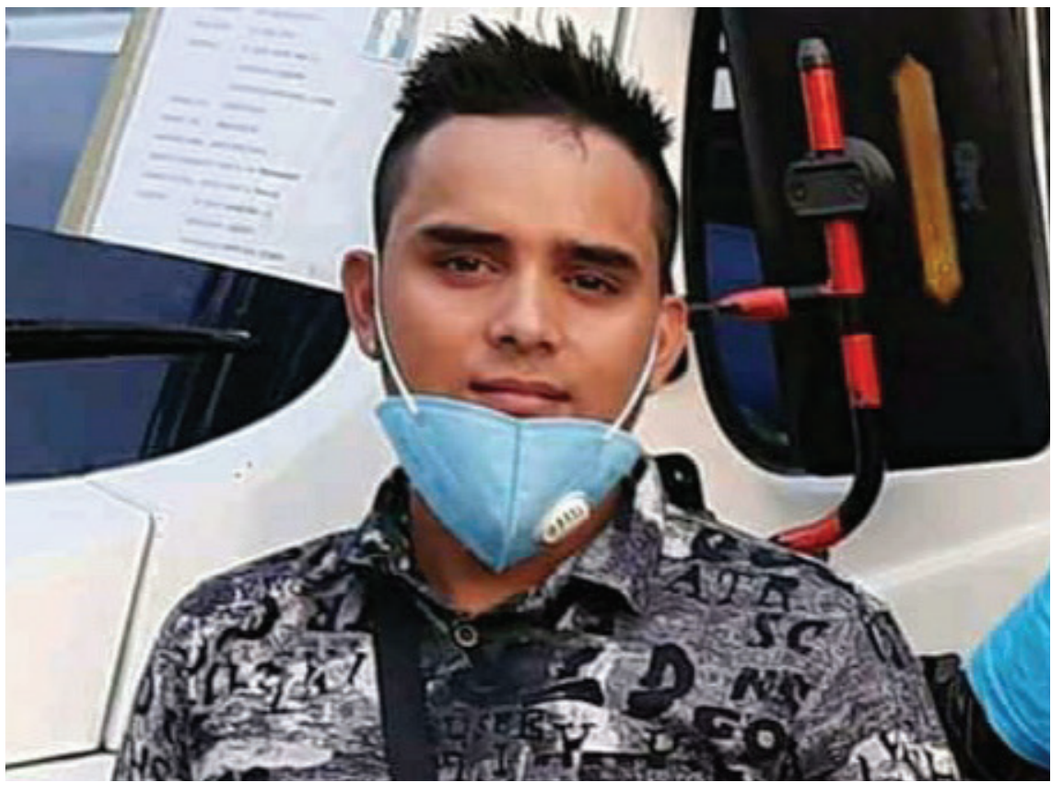

लगभग १ साल ऊ घरेमे रहला । एहिबीच प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रममे रोजगारीके लेल निवेदन देलाह । बेर बेर बुझ गेलापर काल्ही आउ कहिक जवाव लल्लक अबैत छलाह । बहुते बेर गेलाके बाद ऊ बुझला जेनाई सेहो छोडी देलैथ । परिवार पालके बाध्यताके कारण फेरो भारत दिस गेलाह ।

फेरो कोरोना महामारीके दोसर लहर सँ ऊ कार्यरत दिल्ली आक्रान्त बनलै । ओत काम करवला नेपालीसभके घर फिर्ता जायके लेल दबाव एलै । कमौने सब पैसा पहिलेही घर पठा चुकल छलैथ । फिर्ता जायके लेल टिकटके पैसा सेहो नै छलै । ऊ भारत गेल ५ महिने मे संगे काम केने संगीसभ संगे नेपाल फिर्ता एलाह ।

> पौर साल सेहो बइका आशा लल्लक नेपालेमे किछ करब कहिक फिर्ता एलौ, लेकिन बादमे फेर विदेश जाय पइल । एहिबेर सेहो त ओहने त हेतै । आब त कोनो उम्मीदो नै छै । ई कोरोना कहर कहिया शान्त हेतै । जियब त फेर मजदुरी कर दोसरेके देशमे जाय पइत ।

भोइसेस आउट लाउड - मेरो कुरा

नागरिकके सामने सत्य तथ्य समाचार आनके क्रममे हम कोरोना संक्रमित भेलौ । जखन हम अपने अक्सिजन लगाब परवला रोगीके रुपमे अस्पतालमे छलौ, तखन मात्रे हमरा पता चलल, कोरोनाके दोसर लहर शुरु होब सँ पहिले कोनो भी तैयारी नै भेल छलै । जनशक्ति नै छै, अक्सिजन नै छै, पूर्वाधार नै छै, शैया नै छै । लेकिन, एहि समयमे लक्षण सहितके संक्रमित बैढ रहल छै । एहन अवस्थामे संक्रमण भेलै त मनोवैज्ञानिक रुप सँ बहुते कमजोर बनाबैत छै । एकरा लापरवाही नै करु । राज्य ईलाज कलदेत कहिक मुह ताकिक नै बैसु । कर्णालीमे एकदमे भयावह अवस्था छै । आरो जगहमे सेहो ओहने हेतै । तै, अपन सुरक्षा अपने करु, घर सँ बाहर नै निकलु ।

नगेन्द्र उपाध्याय

पत्रकार, सुर्खेत

नारायण बराल

वडा अध्यक्ष,
धनगढी उप-महानगरपालिका, वडा नं ८

अई वर्ष सेहो वितल वर्ष जेहन अवस्था दोहराएल छै । पौरसाल सेहो महामारी फैललाके बाद रोजगारीके लेल भारत गेल नेपालीसभ दैनिक हजारोके संख्यामे स्वदेश फिर्ता आएल छल । अखनो दैनिक सयौके संख्यामे नेपालीसभ आबिरहल छै । पौरसाल भेल कमिकमजोरीसभके मनन नै केला सँ आई प्रत्येक दिन संक्रमण भयावह रुपमे फैलरहल छै । पहिले भेल गल्तीके सुधार नै केला सँ समस्या भळरहल छै । दोसर दिस जनता सेहो जिम्मेबार भेनाई जरुरी छै । बुझिक होई या नै बुझिक कोभिड-१९ के संक्रमण हलुका रुपमे लेला सँ अवस्था दिन प्रतिदिन गम्भीर होईत जालरहल छै । अपनासभके छोट लापरवाही सँ बड्का क्षति होब सकैय ।

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स *- कोभिड १९ प्रतिकार्यमे जवाफदेहिताके सुनिश्चितता - एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी गलत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।*

कोभिड - १९ मात्रे स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्रे नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org
Phone: 9851203219